771. राजस्थान एकीकरण में भरतपुर, धौलपुर रियासतों पर जनता की राय जानने के लिए एक कमेटी कर गठन किया गया था, उस कमेटी में कौन सम्मिलित नहीं था-

(a) डॉ. शंकर राव देव (b) आर.के. सिद्धया
(c) प्रभुदयाल (d) एम.एस. जैन

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (d) – राजस्थान एकीकरण में भरतपुर, धौलपुर रियासतों पर जनता की राय जानने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, उस कमेटी के सदस्य थे- डॉ. शंकर राव देव, आर.के. सिंधवा और प्रभुदयाल।
संयुक्त राज्य मत्स्य संघ का गठन 17 मार्च 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली रियासत के विलय के पश्चात् हुआ। 18 मार्च, 1948 भारत सरकार के मंत्री श्री एन. बी. गाडविल ने मत्स्य संघ का विधिवत् उद्घाटन किया।

772. मत्स्य संघ का उद्घाटन कब हुआ?

(a) 18 मार्च,1948 (b) 25 मार्च, 1948
(c) 31 मार्च, 1948 (d) 1अप्रैल, 1948

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (a) – उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या

773. जयपुर नगर की स्थापना के समय वहाँ का प्रमुख वास्तुकार एवं नगर नियोजक कौन था?

(a) मण्डन मिश्र (b) विद्याधर भट्टाचार्य
(c) राजवल्लभ (d) दीपक

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (b) – जयपुर नगर की स्थापना सवाई जयसिंह-II के द्वारा किया गया तथा इसका मुख्य वास्तुकार 'विद्याधर भट्टाचार्य' थे, जिन्होंने इसे वास्तुशास्त्र के आधार पर कुल 9 हिस्सों में बांटकर 1727 तक पूरा किया।

774. 1 नवंबर, 1956 से पहले राजस्थान राज्य का अध्यक्ष कहलाता था -

(a) महामहिम (b) महाराजा अधिराज
(c) गवर्नर (राज्यपाल) (d) राज प्रमुख

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (d) – 1 नवंबर, 1956 से पूर्व राजस्थान राज्य के अध्यक्ष को 'राज प्रमुख' कहा जाता था। 1 नवम्बर 1956 को राजस्थान वर्तमान स्वरूप में आया। राजप्रमुख का पद समाप्त कर दिया गया तथा राज्यपाल के पद का सृजन किया गया। सरदार गुरूमुख निहाल सिंह को राज्यपाल बनाया गया।

775. **कितने रजवाड़ों एवं राज्यों के एकीकरण से राजस्थान राज्य बना?**

(a) 18 (b) 16
(c) 20 (d) 19

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या–19 देशी रियासतों के एकीकरण और 3 चीफ कमीश्नर वाले क्षेत्रों की जनता के लोकतंत्र स्वीकार कर लेने पर 1 नवम्बर 1956 को आधुनिक राजस्थान का निर्माण हुआ।

776. मत्स्य संघ का प्रशासन राजस्थान को स्थानान्तरित करने का निर्णय लिया गया–

(a) 1947 ई. में (b) 1948 ई. में
(c) 1949 ई. में (d) 1950 ई. में

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1999-2000

व्याख्या–17 मार्च, 1948 ई. को अलवर, भरतपुर, धौलपुर एवं करौली रियासतों को मिलाकर 'मत्स्य संघ' बनाया गया था जिसकी राजधानी अलवर थी। 25 मार्च, 1948 ई. को बाँसवाड़ा, कुशलगढ़, बूंदी, डूंगरपुर, झालवाड़ा, किशनगंज, कोटा, प्रतापगढ़, शाहपुर, व टौंक रियासत ने 'पूर्व राजस्थान' नामक एक संघ बनाया तथा कोटा को इसकी राजधानी घोषित की। बाद में उदयपुर भी इसमें शामिल हो गया और इसे 'संयुक्त राजस्थान' कहा गया तथा उदयपुर को राजधानी बनाया गया। 30 मार्च, 1949 को संयुक्त राजस्थान में बीकानेर, जयपुर, जैसलमेर एवं जोधपुर को मिला दिया गया तथा इसे 'वृहत् राजस्थान' कहा गया। जयपुर को इसकी राजधानी बनायी गयी। 15 मार्च 1950 को 'मत्स्य संघ' को भी इसमें मिला दिया गया तथा इसे 'संयुक्त वृहत् राजस्थान' कहा गया। 26 जनवरी 1950 को सिरोही रियासत भी इसमें सम्मलित कर ली गयी तथा इसे 'राजस्थान' नाम दिया गया। 19 रियासतों और 3 चीफशिप वाले क्षेत्रों को मिलाकर अन्ततः 1 नवम्बर 1956 को आधुनिक राजस्थान बना।

777.राजपूताना के भौगोलिक क्षेत्र को राजस्थान नाम दिया गया-

(a) 15 अगस्त, 1947 को (b) 25 मार्च, 1948 को
(c) 31 मार्च, 1949 को (d) 1 नवम्बर 1956

उत्तर – (d)

RPSC RAS/RTS 2003

व्याख्या — फजल अली की अध्यक्षता में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर पारित किए गए राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत राजपूताना के भौगोलिक क्षेत्र को 1 नवम्बर, 1956 को राजस्थान नाम से पुनर्गठित किया गया। अधिकांश भागों में राजपूत शासकों के राज्य होने के कारण ही इस क्षेत्र को राजस्थान नाम दिया गया। अतः राजस्थान नाम राजपूतों के शासन की ऐतिहासिक परम्परा से जुड़ा है।

778.राजस्थान के एकीकरण के सप्तम चरण (1 नवंबर, 1956) में किन क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया?

(a) मत्स्य संघ (b) जयपुर
(c) सिरोही (d) अजमेर तथा आबू

उत्तर – (d)

RPSC RAS/RTS 2012

व्याख्या राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश के आधार पर केंद्रशासित प्रदेश अजमेर - मेरवाड़ा को 1 नवम्बर, 1956 को राजस्थान संघ में मिलाकर वर्तमान राजस्थान का गठन किया गया। आबू-दिलवाड़ा सहित सम्पूर्ण सिरोही रियासत को राजस्थान में मिला लिया गया। ज्ञातव्य है कि 1950 में सिरोही के आंशिक विलय के निर्णय का राजस्थान में व्यापक जन विरोध हुआ था।